सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024 (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि- 14/09/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

404389

Paper Code : 34

Sub : Jyotish Falit-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।
8. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।

9.* प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।

10. यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**

9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**

10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. अधस्तनेषु उचितं युग्मं चिनुत –

A. सिद्धास्तिथयः I. सोमे षष्ठी, बुधे द्वितीयां, शनौ सप्तमी

B. दग्धास्तिथयः II. कुजे सप्तमी, इज्ये नवमी, शुक्रे दशमी

C. विषतिथयः III. रवौ-द्वादशी, कुजे पंचमी, गुरौ षष्ठी

D. हुताशनतिथयः IV. कुजे जया, सौम्ये भद्रा, इज्ये पूर्णा

समुचितमुत्तरं विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	IV	III	I	II
(3)	IV	III	II	I
(4)	III	IV	I	II

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. अधस्तनेषु शुद्धमुत्तरं विद्यते –

A. आयुष्मान् अतिगण्डयोगयोः स्वामी चन्द्रमा विद्यते।

B. व्यतीपात वज्र–परिध–वैधृतसंज्ञकानि स्थिरकरणानि भवन्ति।

C. चरकरणानि सप्त चत्वारि च स्थिरकरणानि भवन्ति।

D. सिद्ध–ऐन्द्र–वैधृतियोगानां स्वामी कार्तिकेयः विद्यते।

अत्र शुद्धं वाक्यं विद्यते –

(1) केवलं A, B शुद्धम्।

(2) केवलं A, C शुद्धम्।

(3) केवलं A, B, C शुद्धम्।

(4) केवलं B, C, D शुद्धम्।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. अधस्तनेषु अमावास्यायाः भेदाः भवन्ति –

(1) सिनीवाली, अवमः, कुहू

(2) सिनीवाली, कुहू, पूर्णा

(3) सिनीवाली, दर्शः, कुहू

(4) कुहू, विद्धा, पूर्णा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. अधस्तनेषु शुद्धं विकल्पं चिनुत।

A. भानुवासरे हस्ताश्विनिमूलपुष्यानिभानि सर्वार्थसिद्धियोगकारकानि।

B. भानुवासरे रोहिणीमृगशिरानुराधानक्षत्राणि सर्वार्थसिद्धियोगकारकानि।

C. बुधवासरे रोहिणी–अनुराधाहस्तकृत्तिकानक्षत्राणि सर्वार्थसिद्धियोगकारकानि।

D. बुधवासरे श्रवणस्वातीपुनर्वसुनक्षत्राणि सर्वार्थसिद्धियोगकारकानि।

उपर्युक्तेषु केवलं शुद्धं विद्यते –

(1) A, B (2) A, C

(3) A, D (4) B, D

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. द्विपुष्कर योगे प्रयुक्तानि नक्षत्राणि सन्ति ?

(1) धनिष्ठा–चित्रा–मृगशिरा

(2) विशाखा–उ.फा.–उ.षा.

(3) द्वीशार्यभार्द्रा

(4) रेवती–मूल–हस्त

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. शुक्लपक्षीयप्रतिपदमारभ्य दर्शान्तावधिकाभिस्त्रिंशत् संख्यकाभिः कः सम्पद्यते ?

(1) इन्दुमासः (2) सौरमासः

(3) बार्हस्पत्यमासः (4) नाक्षत्रमासः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. अधोनिर्दिष्टयुग्मेषु अमृतयोगकारकं युग्मं नास्ति –

A. सोमार्कवासरौ I. पूर्णातिथिः

B. भौमवासरः II. भद्रातिथिः

C. मन्दसौम्यवासरौ III. नन्दातिथिः

D. सौम्यसितवारौ IV. जयातिथिः

समुचित विकल्पं विद्यते –

(1) A – I

(2) B – II

(3) C – III

(4) D – IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. सूर्योदयद्वयान्तरेण किं दिनम् ?
(1) सौरदिनम् (2) मेदिनीदिनम्
(3) नाक्षत्रदिनम् (4) चान्द्रदिनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. अधोनिर्दिष्टेषु परस्परसम्बन्धमेलनं कुरुत –
A. सौरमासः I. सावनदिनम्
B. अमावास्या II. कृष्णप्रतिपदा
C. इनोदयद्वयान्तरम् III. चान्द्रमासः
D. रवीन्द्वोरन्तरांशाः 190° IV. संक्रान्तिः
अत्र शुद्धमुत्तरं विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	III	II	IV	I
(2)	IV	III	I	II
(3)	I	II	III	IV
(4)	IV	III	II	I

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. अहोरात्रं नाक्षत्रमुक्तम् –
(1) घटीनां षष्ट्या (2) दशप्राणैः
(3) षड्भिः प्राणैः (4) पलानां षष्ट्या
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. अधस्तनेषु समुचितयुग्मं चिनुत –
A. श्रीमुखसंवत्सरः I. विष्णुविंशतिः
B. विजयसंवत्सरः II. ब्रह्मविंशतिः
C. आनन्दसंवत्सरः III. षष्टिः
D. संवत्सराणां संख्या IV. रुद्रविंशतिः
अत्र शुद्धमुत्तरं विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	II	I	IV	III
(3)	IV	III	I	II
(4)	III	IV	II	I

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. अधोनिर्दिष्टेषु आर्क्षमासस्य शुद्धं सूत्रं विद्यते –
(1) 1 ना. अहो. × 30
(2) 1 ना. अहो. × 360
(3) 1 ना. अहो. × 300
(4) 1 ना. अहो. × 30 × 60
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. चान्द्रमासो भवति ?
(1) सूर्यचन्द्रयोर्भगणयोगेन
(2) चन्द्रस्य चक्रभोगेन
(3) सूर्यस्य चक्रभोगेन
(4) सूर्यचन्द्रयोर्भगणान्तरेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. व्रतोपवासयात्राणां क्रिया केन मानेन भवति ?
(1) नाक्षत्रेण (2) गौरवमानेन
(3) सौरेण (4) चान्द्रेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. बार्हस्पत्यवर्षानयनसूत्रे संवत्सरो भवति –
(1) भागफलसंख्यातुल्यः
(2) भागफलवर्गमूलसंख्यातुल्यः
(3) भागशेषसंख्यातुल्यः
(4) भागशेषवर्गमूलसंख्यातुल्यः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. घटी–पल ज्ञापकं मानं किम् ?
(1) ब्राह्ममानम् (2) त्रुटिमानम्
(3) नाक्षत्रमानम् (4) चान्द्रमानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. एकस्मिन् कल्पे प्रभवन्ति –
(1) चतुर्दशमनवः पञ्चदशसन्धयः
(2) सप्ततिमनवः चतुर्दशसन्धयः
(3) द्वादशमनवः चतुस्सन्धयः
(4) पञ्चमनवः सप्तसन्धयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. "संवत्सर" इति कीदृशं मानम् ?
(1) चान्द्रमानम् (2) सौरवत्सरमानम्
(3) बार्हस्पत्यमानम् (4) मनुमानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. संहितायां प्रभवादि-संवत्सराणां साधने उपयोगो भवति ?
(1) विक्रमसंवत्सरस्य
(2) युधिष्ठिरसंवत्सरस्य
(3) शकसंवत्सरस्य
(4) ख्रीष्टाब्दस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. अर्कमानकलाः षष्ट्या गुणिता भुक्तिविभाजिताः तदर्थनाड्यः भवन्ति –
(1) सौरसङ्क्रान्तिकालः
(2) मकरसङ्क्रान्तिकालः
(3) कर्कसङ्क्रान्तिकालः
(4) सङ्क्रान्तेः पुण्यकालः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. जलस्थानं केन भावेन विचार्यते –
(1) तुर्यभावेन (2) मूर्तिभावेन
(3) स्वभावेन (4) स्मरभावेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. भावेन सह तस्य संज्ञा योज्या ।

A.	प्रथमभावः	I.	भव
B.	एकादशभावः	II.	मूर्तिः
C.	पंचमभावः	III.	तनुजः
D.	अष्टमभावः	IV.	याम्य

शुद्धमुत्तरं चिनोतु –

	A	B	C	D
(1)	III	IV	I	II
(2)	II	I	III	IV
(3)	II	III	IV	I
(4)	I	II	IV	III

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. अधस्तनेषु मानुषलोके केषां कालमानानां व्यवहारो भवति ?
(1) सौरदिव्यार्क्षसावनानाम्
(2) सौरब्राह्मार्क्षसावनानाम्
(3) सौरचान्द्रार्क्षसावनानाम्
(4) सौरपैत्र्यार्क्षसावनानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. सञ्ज्ञास्थानयोः समुचितं युग्मं चिनुत –
(1) सुहृद्, दुश्चिक्यम् – द्वितीयं, पञ्चमम्
(2) सहजम्, सुहृद् – तृतीयं, चतुर्थम्
(3) अम्बा, तातः – सप्तमम्, दशमम्
(4) वाहनम्, कलत्रम् – नवमम्, तृतीयम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. अकस्माद् गृहप्राप्तिः भवति –
(1) यदि तुर्यनाथस्तनुपतिसहितः स्वक्षेत्रे भवति ।
(2) यदि तुर्यनाथस्त्रिकपतिसहितः स्वक्षेत्रे भवति ।
(3) यदि तुर्यनाथस्धनपतिसहितः शत्रुक्षेत्रे भवति ।
(4) यदि तुर्यनाथस्धर्मपतिसहितः शत्रुक्षेत्रे भवति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. यदा पातालेशः स्वराशौ शुभखचरयुतो भाग्यनाथेन युक्तः भवति तदा जातकः स्यात्
(1) सामन्तः (2) भ्रातृहीनः
(3) जन्मान्धः (4) सन्तानहीनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. 'स्व' इति कस्य भावस्य संज्ञा वर्तते ?
(1) कल्पस्य (2) हिबुकस्य
(3) कलत्रस्य (4) कोशस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. चिन्तायोगविचारः इति कस्य भावस्य विषयोऽस्ति ?
(1) दशमभावस्य (2) षष्ठभावस्य
(3) एकादशभावस्य (4) अष्टभावस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. संज्ञानां भावानां च समुचितं मेलनं करोतु ।

A.	त्रित्रिकोण	I.	11
B.	उपचय	II.	9
C.	त्रिक	III.	4
D.	कण्टक	IV.	12

शुद्धमुत्तरं चिनोतु :

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	IV	I	II	III
(3)	II	I	IV	III
(4)	III	II	I	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. मेषूरणाख्यः भावोऽस्ति –

(1) लग्नम् (2) पञ्चमः

(3) दशमः (4) एकादशः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. अधोनिर्दिष्टस्य समुचितमेलनं कुरुत –

A.	कण्टकः	I.	द्वितीयभावः
B.	आपोक्लिमः	II.	व्योमभावः
C.	दुश्चिक्यः	III.	दशमभावः
D.	आगमः	IV.	नवमभावः

अस्य शुद्धमुत्तरं विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	IV	III	I	II
(2)	III	IV	I	II
(3)	II	III	IV	I
(4)	I	II	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. अधस्तनेषु हिबुकभावस्य संज्ञान्तराणि सन्ति –

(1) पातालतुर्यगृहसुहृद्वाहनयानबान्धवाः

(2) जामित्रं स्मरमदद्यूनाः

(3) कोशकुटुम्बभ्रातृदुश्चिक्याः

(4) रन्ध्रायुश्छिद्रयाम्याः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. अधस्तनेषु शुद्धमुत्तरं चिनुत –

(1) लग्न–चतुर्थ–सप्तम–दशमभावानां त्रिकोणसंज्ञा अस्ति ।

(2) लग्न–नवम–पंचमभावानां त्रिकसंज्ञा अस्ति ।

(3) अष्टम–एकादश–द्वितीय–पंचमभावानां पणफरसंज्ञा अस्ति ।

(4) तृतीय–षष्ठ–द्वादश–नवमभावानां केन्द्रसंज्ञा अस्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. प्रश्नलग्नात् चतुर्थे मीन, वृश्चिक, कुम्भ, कर्क राशयः भवन्ति तदा ?

(1) शत्रुजयः (2) शत्रुपराजयः

(3) सन्धिः (4) समता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. राज्यं चाकाशवृत्तिं च गानं च पितरं तथा ।
ऋणं चापि प्रवासं च कस्मात् भावात् विचार्यते ।। ?

(1) सप्तमभावात् (2) दशमभावात्

(3) नवमभावात् (4) भाग्यभावात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. सूर्याष्टकवर्गे शुक्रस्य स्थानात् सूर्यः केषु स्थानेषु शुभो भवति ?

(1) 5, 9, 3, 7 (2) 6, 7, 12

(3) 4, 2, 1, 5 (4) 6, 9, 12, 3

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. स्वीयाष्टकवर्गे चन्द्रः लग्नात् केषु भावेषु शुभमिति ?

(1) 1, 4, 7, 10 (2) 2, 5, 9, 11

(3) 4, 6, 8, 12 (4) 3, 6, 10, 11

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. अष्टकवर्गे ग्रहाणां भावानां च संख्या वर्तते –

(1) सप्तग्रहाः द्वादशभावाः

(2) अष्टग्रहाः द्वादशभावाः

(3) अष्टग्रहाः षण्णवतिः भावाः

(4) नवग्रहाः षोडशभावाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. लग्नाष्टकवर्गे रेखा–संख्या अस्ति –

(1) नवचत्वारिंशत्

(2) नवत्रिंशत्

(3) त्रिचत्वारिंशत्

(4) द्विपञ्चाशत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. अधस्तनेषु गुरोः सम्बद्धविषयाः सन्ति –

(1) रक्त–जलाशय–क्षण–लवणादयः

(2) मज्जा–अग्न्यागार–दिन–तिक्तादयः

(3) मेद–कोश–मास–मिष्ठान्नादयः

(4) अस्थि–देवालय–अयन–कटुवादयः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. कयोः राश्यो एकाधिपत्यशोधनं न भवति ?
(1) कर्कमकरयोः (2) कर्कवृषभयोः
(3) कर्ककुम्भयोः (4) कर्कसिंहयोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. नवत्रिंशत्-रेखाः भवन्ति –
(1) भौमस्याष्टकवर्गे (2) शुक्रस्याष्टकवर्गे
(3) बुधस्याष्टकवर्गे (4) चन्द्रस्याष्टकवर्गे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. बुधस्याष्टकवर्गे बिन्दुसंख्या वर्तते –
(1) चतुष्पञ्चाशत् (2) द्विचत्वारिंशत्
(3) त्रिचत्वारिंशत् (4) चतुश्चत्वारिंशत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. अष्टवर्गशोधनस्य कौ भेदौ स्तः ?
(1) त्रिकोण – एकादशाधिपत्यशोधनौ
(2) त्रिकोण – दशाधिपत्यशोधनौ
(3) त्रिकोण – एकाधिपत्यशोधनौ
(4) त्रिकोण – शताधिपत्यशोधनौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. अधोनिर्दिष्टस्य समुचितं युग्मं चिनुत –

A. मनोबुद्धिप्रसादश्च मातृचिन्ता विचार्यते — I. भौमेन
B. वाणिज्यकर्मवृत्तिश्च सुहृदं च विचार्यते — II. शनिना
C. आयुश्च जीवनोपायं दुःखशोकानि च विचार्यते — III. बुधेन
D. भ्रातृसत्वं गुणं भूमिः विचार्यते — IV. चन्द्रेण

उपर्युक्तस्य शुद्धक्रमः विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	III	I	II	IV
(3)	IV	III	II	I
(4)	II	III	IV	I

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. शुक्रस्याष्टकवर्गे करणसंख्या अस्ति –
(1) नवचत्वारिंशत् (2) द्विपञ्चाशत्
(3) चतुश्चत्वारिंशत् (4) त्रिचत्वारिंशत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. नष्टजातके प्रश्नलग्नस्य प्रथमा होरा भवति तदा जातकस्य जन्म ?
(1) याम्यायने (2) सौम्यायने
(3) शरदृतौ (4) कार्तिकमासे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. एकाधिपत्यशोधनक्रमे उच्चंगते ग्रहे तस्य आयुमानं भवति –
(1) द्विगुणितम् (2) त्रिगुणितम्
(3) चतुर्गुणितम् (4) अर्धम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. नष्टजातके क्रमशः गुरु–कुज–शुक्र–सौम्यानां गुणकाङ्क्षाः सन्ति –
(1) 10, 8, 7, 5 (2) 10, 5, 7, 8
(3) 10, 7, 5, 8 (4) 8, 5, 7, 10
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. अधोनिर्दिष्टस्य शनैश्चराष्टकवर्गफलस्य उचितयुग्मानां मेलनं कुरुत ।

A. अष्टबिन्दौ — I. ग्रामपुरप्रजाधिपत्यं भवति
B. सप्तबिन्दौ — II. चोरनिषादसैन्यपतिभिः पूजा भवति
C. षड्बिन्दौ — III. दासी खरोष्ट्राप्तिर्भवति
D. पञ्चबिन्दौ — IV. धान्यार्थसौख्यागमो भवति

उपर्युक्तस्य संमीचीनमुत्तरं वर्तते –

	A	B	C	D
(1)	IV	II	I	III
(2)	I	III	II	IV
(3)	II	III	IV	I
(4)	IV	III	II	I

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. त्रिकोणराशयः न सन्ति –
(1) मेष–सिंह–धनु–राशयः
(2) वृष–कन्या–मकर–राशयः
(3) मिथुन–तुला–कुम्भ–राशयः
(4) कन्या–धनु–कुम्भ–राशयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. शिवस्वरोदयानुसारं समुचितं मेलनं करोतु –

A. स्वरहीनम् I. शरीरम्
B. नाथहीनम् II. गृहम्
C. शास्त्रहीनम् III. दैवज्ञम्
D. शिरोहीनम् IV. मुखम्

शुद्धमुत्तरं चिनोतु –

	A	B	C	D
(1)	III	II	IV	I
(2)	II	III	I	IV
(3)	I	IV	II	III
(4)	IV	I	III	II

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. जीवस्वरचक्रे शुभाशुभफलविचारः भवति –

(1) मासपर्यन्तम् (2) दिनपर्यन्तम्
(3) वर्षपर्यन्तम् (4) सप्ताहपर्यन्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. शरीरस्थनाडीनां क्रमः समुचितरीत्या विधेयः –

A. इडा I. मध्यभागे
B. पिंगला II. वामभागे
C. सुषुम्ना III. वामनेत्रे
D. गांधारी IV. दक्षिणभागे

उपर्युक्तस्य समीचीनक्रमः विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	II	IV	I	III
(2)	IV	II	III	I
(3)	III	IV	I	II
(4)	I	II	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. अधस्तनेषु सत्यवचनं चिनुत –

(1) शान्ताय शुद्धाय क्षुद्राय हीनसत्त्वाय स्वरज्ञानं प्रदेयम् ।
(2) शान्ताय शुद्धसत्त्वाय गुरुभक्ताय स्वरज्ञानं प्रदेयम् ।
(3) शान्ताय दुर्जनाय नास्तिकाय च स्वरज्ञानं प्रदेयम् ।
(4) शान्ताय हीनसत्त्वाय चपलाय च स्वरज्ञानं प्रदेयम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. कृष्णपक्षस्वाद्य–त्रिदिवसेषु स्वरः प्रचलति ?

(1) चन्द्रस्य (2) योगिनः
(3) सूर्यस्य (4) राहोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. 'पिङ्गला' इति नाड्याः अपरं नाम किम् ?

(1) चन्द्रनाडी (2) सूर्यनाडी
(3) शम्भुनाडी (4) गान्धारी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. मारण–मोहन–स्तम्भनोच्चाटनादि फलादेशार्थं कस्य स्वरचक्रस्य प्रयोगः क्रियते ?

(1) जीवस्वरचक्रस्य (2) ग्रहस्वरचक्रस्य
(3) राशिस्वरचक्रस्य (4) नक्षत्रस्वरचक्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. ज्योतिषस्वरशास्त्रे पञ्चमूलस्वराणाम् अवस्थाभेदाः सन्ति –

(1) नव (2) एकादश
(3) द्वादश (4) सप्त
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. हृदयस्य नाड्यः कति संख्यकाः सन्ति ?

(1) अष्टोत्तरशतसंख्यकाः
(2) षष्ट्युत्तरत्रिशतसंख्यकाः
(3) एकोत्तरशतसंख्यकाः
(4) अष्टोत्तरसहस्रसंख्यकाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. 'सुषुम्ना' इति नाड्याः अपरं नाम किम् ?

(1) शम्भुनाडी (2) चन्द्रनाडी
(3) सूर्यनाडी (4) इडानाडी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. दक्षिणनाडी प्रवाहकः कः ?

(1) चन्द्रः (2) सूर्यः
(3) भौमः (4) शनैश्चरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. कस्य स्वरस्य प्रवाहेणागम्यस्य ज्ञानं भवति ?
(1) चन्द्रस्य (2) सूर्यस्य
(3) बुधस्य (4) शुक्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. मनुष्यशरीरे नाडीनां संख्या विद्यते –
(1) 7200 (2) 72000
(3) 17200 (4) 172000
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. अधोनिर्दिष्टेषु समुचितयुग्मं चिनुत –

A.	इडापिंगलादिनाडीनां संख्या वर्तते	I.	इडा
B.	प्राणापानादिवायूनां मध्ये विद्यते	II.	सुषुम्ना
C.	वामनासापुटस्था नाडी वर्तते	III.	धनञ्जयः
D.	ब्रह्मरन्ध्रगामिनी नाडी विद्यते	IV.	दश

उपर्युक्तस्य समीचीनः क्रमः वर्तते –

	A	B	C	D
(1)	IV	III	I	II
(2)	III	IV	I	II
(3)	II	I	IV	III
(4)	I	II	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. एकस्थैः चतुरादिभिर्बलयुतैः कः योगः भवति ?
(1) राजयोगः (2) प्रव्रज्यायोगः
(3) अरिष्टयोगः (4) नाभसयोगः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. केषु वारेषु दक्षिणनाडी शुभा –
(1) चन्द्रबुधगुरुवारेषु
(2) बुध–गुरु–शुक्रवारेषु
(3) बुध–गुरु–रविवारेषु
(4) सूर्यभौमशनिवारेषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. आदित्यासितजीवशुक्रधरणीपुत्रेन्दुतारासुतैः के प्रव्रज्याकारकयोगा उत्पाद्यन्ते ? क्रमानुसारं चिनुत ।
(1) वानप्रस्थविवासभिक्षुचरकाः शाक्यो गुरुर्जीवकयोगाः
(2) वानप्रस्थसुवासदीक्षितचराः प्राज्ञो गुरुः–सेवकयोगाः
(3) वानप्रस्थाधिवासवित्तपरकः धीमान् वपुः–सेवकयोगाः
(4) वानप्रस्थप्रवासवन्दितपदः सौख्यस्तपो–निष्ठयोगाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. आद्यमारकस्थानं किम् ?
(1) द्वितीयम् (2) सप्तमम्
(3) नवमम् (4) षष्ठ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. ग्रहाणां प्रव्रज्याप्रकाराणाञ्च समुचितं मेलनं करोतु –

A.	चन्द्रः	I.	शाक्यः
B.	भौमः	II.	आजीविकः
C.	बुधः	III.	वृद्धश्रावकः
D.	शनैश्चर	IV.	क्षपणकः

शुद्धमुत्तरं किम् ?

	A	B	C	D
(1)	I	II	IV	III
(2)	II	IV	I	III
(3)	III	I	II	IV
(4)	IV	I	III	II

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. कयोः व्ययस्थानं मारकस्थानम् ?
(1) षडाष्टयोः (2) अष्टमद्वादशयोः
(3) षष्ठद्वादशयोः (4) अष्टमतृतीययोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. प्रव्रज्याकारकग्रहैः दिनकरलुप्तकरैः किं फलम् ?
(1) प्रव्रज्यापुष्टिः
(2) अभियाचितमात्रदीक्षिताः
(3) शाक्यः भवति ।
(4) ब्रह्मर्षिः भवति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. प्रव्रज्यायोगे अस्य ग्रहस्य कारणात् जातको भ्रमणशीलः (चरकः) भवति –
(1) बुधस्य (2) चन्द्रस्य
(3) सूर्यस्य (4) शुक्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. चतुरादिभिरेकभावगते सति प्रव्रज्याकारकाणां बलाढ्ये प्रथमा प्रव्रज्या कस्य ?
(1) लग्नगतस्य (2) वीर्याधिकस्य
(3) सौम्यग्रहस्य (4) दशमभावगतस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. वन्ध्यायोगो भवति –
(1) शशि शुक्रौ यदा लग्ने मन्दाराभ्यां युतौ
(2) लग्नस्थे मार्तण्डे कामगे शनौ
(3) लग्ने चन्द्रज्ञशुक्रेषु
(4) क्रूरे सप्तमगे कश्चित् खेचरो नवमे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. भौजङ्गे कृत्तिकायां शतभिषजि तथा सूर्यमन्दारवारे भद्रासंज्ञे तिथौ यस्याः जन्म भवति, सा कथ्यते –
(1) विदुषी (2) विषकन्या
(3) संन्यासिनी (4) ब्रह्मवादिनी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. कन्यायाः जन्मकुण्डल्यां सप्तमस्थैः ग्रहैः तेषां समुचितं फलं योज्यम् ?

A. सूर्यः	I. बाल्ये विधवा
B. भौमः	II. पतिसन्त्यक्ता
C. शनिः	III. कापुरुषप्राप्तिः
D. बुधः	IV. यौवने जारा

शुद्धमुत्तरं चिनोतु –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	IV	I	II	III
(3)	II	III	I	IV
(4)	II	I	IV	III

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. द्वितीय–तृतीय–सप्तम–अष्टम–स्थानेषु बलस्तरं मारकस्थानं किम् ?
(1) द्वितीयम् (2) तृतीयम्
(3) चतुर्थम् (4) अष्टमम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. समराशि लग्ने कुज–सौम्य–जीव–शुक्रैर्बलिष्ठे कन्या भवति ?
(1) पुंश्चली (2) ब्रह्मवादिनी
(3) साध्वी (4) कृतघ्नी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. स्त्रीजातके भर्तॄणां गुणमगुणं केन भावेन भवति ?
(1) सप्तमेन (2) लग्नेन
(3) चतुर्थेन (4) तृतीयेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. समुचितं संयोजनं करोतु –

A. चन्द्रः	I. वीर्यम्
B. भौमः	II. रक्तः
C. बुधः	III. मज्जा
D. गुरुः	IV. त्वक्
E. शुक्रः	V. वसा

शुद्धमुत्तरं चिनोतु –

	A	B	C	D	E
(1)	III	II	I	V	IV
(2)	II	III	IV	V	I
(3)	I	V	IV	III	II
(4)	V	IV	III	I	II

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. देहसौख्यं कदा भवति ?
(1) यदा देहाधीशः सपापो व्ययरिपुमृतिगः भवति
(2) यदा देहाधीशः निजर्क्षे व्ययरिपुमृतिपः भवति
(3) यदा मूर्तौ क्रूरखेटः भवति
(4) यदा अङ्गाधीशः स्वगेहे बुधगुरुकविभिः संयुतः भवति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. अधोनिर्दिष्टस्य समुचितकथनं किम् ?
(1) ईश्वरभक्तः स्यात्क्रोधनश्चावनेये
(2) वृद्धो मूर्खः सूर्यजर्क्षेशके वा
(3) दुष्टःकामी नैपुणज्ञश्च बौधे
(4) शौक्रे कृष्णोऽतीवदुर्भाग्ययुक्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. अन्धत्वं कदा भवति ?

(1) यदा कोशाधीशः स्वराशौ सुरगुरुसहितः भवति

(2) यदा पातालेशः स्वराशौ शुभखचरयुतः भवति

(3) यदा स्वान्त्याधीशौ त्रिकस्थौ कवितनुपयुतौ भवतः

(4) यदा पञ्चमेशः बुधगुरुसहितः त्रिके भवति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. वातकारको ग्रहोऽस्ति –

(1) रविजः (2) सितः

(3) कुजः (4) वागीशः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. अधस्तनेषु उचितयुग्मं चिनुत ।

A.	शनिः	I.	त्रिदोषकारकः
B.	बुधः	II.	सौन्दर्यकारकः
C.	चन्द्रः	III.	वातकारकः
D.	शुक्रः	IV.	कफकारकः

शुद्धमुत्तरं विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	II	III	I	IV
(3)	III	I	IV	II
(4)	IV	III	I	II

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. रक्तविकारको ग्रहः वर्तते –

(1) सितः (2) कुजः

(3) शनिः (4) रविः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. तिग्मांशौ वैरिनाथे खलविहगयुते तुर्यगे सूर्यसूनौ सति रोगोऽयं जायते –

(1) वातविकारः (2) कृष्णकुष्ठः

(3) हृद्रोगः (4) नेत्रविकारः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. जलगण्डः भवति –

(1) चन्द्रेण (2) भौमेन

(3) शुक्रेण (4) शनिना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. योगेऽस्मिन् जातकस्य क्लीवत्वं जायते –

(1) कुजेन युक्तः प्रथमसुरगुरुर्लग्नतः षष्ठपोऽयं

(2) शुक्रज्ञौ द्यूनगगनविलयगौ

(3) मूर्तौ चेत् पापखेटः

(4) सूर्यसूनौ शुक्रतः व्ययरिपुगृहगे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. खलसहिते मीनकर्कालिभावे सति कः रोगः भवति ?

(1) नेत्ररोगः

(2) लूताकारश्चिरं रोगः

(3) क्षयरोगः

(4) कुष्ठरोगः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. श्वेतकुष्ठो कदा भवति ?

(1) यदा लग्नाधीशकुजबुधचन्द्राः स्वर्भानुना सह क्वापि संस्थः भवति

(2) यदा दिनकरः भौमयुक्तः क्वापि संस्थः भवति

(3) यदा आदित्यो शनियुतो क्वापि संस्थः भवति

(4) यदा नवमेशः बुधयुक्तः क्वापि संस्थः भवति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. यदि षष्ठेश भौमः सपापो तनुनिधनगतो वा स्थितश्चेद् तर्हि देहव्रणः भवति –

(1) शिरसि (2) कण्ठे

(3) वक्षसि (4) मुखे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. सूर्यादिभ्यः फलविशेषचिन्ताप्रसङ्गे अधस्तनयुग्मं रचयत ।

A. राहुणा I. आयुर्जीवनमृत्युकारणविपत् चिन्तनम्

B. शनिना II. सत्त्वं रोगगुणानुजासुतांनां चिन्तनम्

C. भौमेन III. मातामहस्य चिन्तनम्

D. केतुना IV. पितामहस्य चिन्तनम्

अस्य समीचीनमुत्तरं वर्तते –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	II	III	IV	I
(3)	IV	I	II	III
(4)	III	II	IV	I

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. जन्मकुण्डल्यां लग्नेशः कुजक्षेत्रे बुधक्षेत्रे वा स्थित्वा बुधेन दृष्टः स्यात्तदा कुत्र रोगः ?

(1) मुखे (2) कुक्षि

(3) कण्ठे (4) नासिकायाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. अङ्गुष्ठमूलोच्चस्थाने ग्रहपर्वणि भवति –

(1) बुधः (2) गुरुः

(3) शुक्रः (4) शनिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. नेत्रेश संज्ञा कस्य भावस्य भवति ?

(1) द्वितीयस्य, द्वादशस्य

(2) तृतीयस्य, पञ्चमस्य

(3) द्वितीयस्य, षष्ठस्य

(4) सप्तमस्य, नवमस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. हस्तपर्वणि चन्द्रस्य स्थानं कुत्र भवति ?

(1) तर्जनीशीर्षे

(2) कनिष्ठायाम्

(3) मध्यमायाः अन्त्ये पर्वणि

(4) अङ्गुष्ठनखे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. कलह संज्ञा भवति

(1) कनिष्ठिका मूलस्य

(2) तर्जनी मूलस्य

(3) अनामिका मूलस्य

(4) मध्यमा मूलस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. 'गौरी' इत्यभिधानेन अङ्गुलीयं ज्ञायते –

(1) तर्जनी (2) अनामिका

(3) मध्यमा (4) कनिष्ठा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. अधस्तनानां विकल्पं चिनुत –

A. ऊर्ध्वलोकः I. मातृरेखायाम्

B. मर्त्यलोकः II. आयुरेखायाम्

C. पाताललोकः III. पितृरेखायाम्

D. बृहस्पतिस्थानम् IV. तर्जनीमूले

अस्य समीचीनमुत्तरं विद्यते –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	III	I	II	IV
(3)	IV	III	I	II
(4)	II	III	IV	III

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. मणिबन्धरेखातो शनिपर्वतस्यासन्ने गता रेखा भवति ।

(1) मातृरेखा (2) भाग्यरेखा

(3) आयुरेखा (4) सन्तानरेखा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. हस्ताङ्गुल्यः चिपिटाः भवन्ति तदा नरो भवति ?

(1) परकर्मनिरतः (2) सौभाग्ययुक्तः

(3) दीर्घजीवी (4) सौभाग्यशाली

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. कुम्भराशेः स्थानं भवति ?
(1) कनिष्ठिकायाः मध्यपर्वणि
(2) मध्यमायाः मध्यपर्वणि
(3) तर्जन्याः मध्यपर्वणि
(4) अनामिकायाः मध्यपर्वणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. करभमध्यात् अंगुष्ठतर्जन्योर्मध्यगता रेखा भवति ?
(1) पितृरेखा (2) मृत्युरेखा
(3) विवाहरेखा (4) मातृरेखा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. कस्य हस्ततले तिलो निन्द्यः ?
(1) राज्ञाम् (2) वणिजाम्
(3) शूद्राणाम् (4) ब्राह्मणानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. अंगुष्ठस्य मध्यपर्वणि यवचिह्नेन जातकः भवति ।
(1) रोगग्रस्तः
(2) दरिद्रः
(3) ख्यातः ऐश्वर्ययुक्तश्च
(4) संन्ततिहीनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. मातृरेखायां त्रिकोणो भवति तदा ?
(1) पैतृकं धनं लभ्यते
(2) मातृधनं लभ्यते
(3) शत्रुधनं लभ्यते
(4) मित्रधनं लभ्यते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. हस्ते एक शंख चिह्नेन जातकः ।
(1) अध्ययनशीलः (2) क्रोधी
(3) मतिमन्दः (4) कातरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. 'कनिष्ठाङ्गुलिरेखाच्च आयुरेखा मध्यमां गच्छति' इत्यनुसारेण नरस्य आयुर्भवति –
(1) शतं वर्षाणि (2) अष्टशतं वर्षाणि
(3) अशीति वर्षाणि (4) षष्टिः वर्षाणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. दशमस्थेन भौमेन वृत्तिलाभो भवति ?
(1) सहजात् (2) शत्रुतः
(3) मातुः सकाशात् (4) पित्रादिभ्यो
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. सूर्यस्य वृत्तिक्षेत्रमस्ति ?
(1) ऊर्णव्यापारः (2) स्वर्णव्यापारः
(3) कृषिकर्म (4) वधकर्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. धातुसम्बद्धा आजीविका तदा भवति यदा –
(1) लग्नात् आदित्यात् च दशमेशः कुजस्य नवांशे स्यात्
(2) लग्नात् आदित्यात् च दशमेशः बुधस्य नवांशे स्यात्
(3) लग्नात् आदित्यात् च दशमेशः शुक्रस्य नवांशे स्यात्
(4) लग्नात् आदित्यात् च दशमेशः भानोः नवांशे स्यात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. सुवर्णमाणिक्यगजाश्वमूलाद् आजीविकावृत्तिः कदा स्यात् ?
(1) यदा लग्नात् चन्द्रात् आदित्यात् च दशमेशः चन्द्रस्य नवांशे स्यात्
(2) यदा लग्नात् चन्द्रात् आदित्यात् च दशमेशः बुधस्य नवांशे स्यात्
(3) यदा लग्नात् चन्द्रात् आदित्यात् च दशमेशः सितस्य नवांशे स्यात्
(4) यदा लग्नात् चन्द्रात् आदित्यात् च दशमेशः सूर्यस्य नवांशे स्यात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. हस्ते अष्टौ चक्र चिह्नानि भवन्ति चेत् जातकः ?
(1) दरिद्रः (2) ज्ञानी
(3) दक्षः (4) नृपतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. जातकः कदा सर्वविद्यासमन्वितः सर्वदा हर्षसंयुक्तो धनवान् च स्यात् ?
(1) कर्मेशे सुतभावस्थे
(2) कर्मेशे सुखभावस्थे
(3) कर्मेशे सहजभावस्थे
(4) राज्येशे धनभावस्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. पितृसौख्यविवर्जितः जातको भवति –
(1) कर्मेशे रन्ध्रभावस्थे
(2) कर्मेशे आयभावस्थे
(3) कर्मेशे रिपुभावस्थे
(4) राज्येशे लाभभावस्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. कर्मेशे राज्यभावस्थे नरः स्यात् –
(1) सर्वकर्मपटुः (2) सर्वविद्याप्रवीणः
(3) साहसिकः (4) कलासु निपुणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. शनिभौमसमन्विते कर्मेशे सप्तमस्थे सप्तमेशे च पापन्विते जातको भवति ।
(1) धर्मपरायणः (2) कर्मपरायणः
(3) शिश्नोदर परायणः (4) कर्मच्छेता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. क्रूरकर्मनिरतं मूढं पापं दुराचारयुक्तं नरमुत्पादयन्ति दशमस्थाः ?
(1) रविभौमशनैश्चराः (2) बुधसूर्यशुक्राः
(3) गुरुसौम्यचन्द्राः (4) बुध–शुक्रभौमाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. यदि लग्नात् चन्द्रात् आदित्यात् च दशमेशः जीवस्य नवांशे भवति तर्हि जातकस्य आजीविका भवति –
(1) दुग्धविक्रयात्
(2) पुराणशास्त्रागमनीतिमार्गात्
(3) कृषेः
(4) तैलविक्रयात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. गान्धर्वशिल्पलेख्यैः जातकस्य आजीविका कदा भवति ?
(1) दशमस्थे कन्यावर्गे
(2) दशमस्थे तुलावर्गे
(3) दशमस्थे मीनवर्गे
(4) दशमस्थे वृषवर्गे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. चिकित्सया वृत्तिः कस्य जातकस्य भवति ?
(1) लग्नस्थः धनुराशिः यस्य
(2) दशमस्थः धनुराशिः यस्य
(3) लग्नस्थः मकरराशिः यस्य
(4) दशमस्थः मकरराशिः यस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. 'धातोर्विवादेन असौ जीवति' इत्यत्र विवादपदेनाभिप्रायो वर्तते –
(1) व्यवहारः
(2) संहारः
(3) दानम्
(4) कलहः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. "लिपिगणितादिकाव्यशिल्पैः" आजीविकायाः कारकः कः ?
(1) चन्द्रः
(2) बुधः
(3) बृहस्पति
(4) शुक्रः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. 'विविधालङ्कारसत्त्वभाक्' जातकः कदा भवति ?
(1) दशमस्थे दिनकरे
(2) पञ्चमस्थे गुरौ
(3) दशमस्थे सौम्ये
(4) नवमस्थे सिते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. वराहमिहिरस्य पितुर्नाम किम् ?

(1) आदित्यदासः (2) मिहिरदासः
(3) नीलकण्ठदैवज्ञः (4) वाराहशिवमूर्ति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. षट्पञ्चाशिका ग्रन्थस्य कर्त्ता कः ?

(1) परमेश्वरः (2) पृथूदकस्वामी
(3) पृथुयशः (4) षडाननदैवज्ञः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. "अथर्वज्योतिष" ग्रन्थे कानि प्रकरणानि सन्ति ?

(1) 16 (2) 9
(3) 12 (4) 14
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. फलितज्योतिषस्य विचारसरणिः कस्मिन् ग्रन्थेऽस्ति ?

(1) शिष्यधीवृद्धिदम्
(2) ऋक्ज्योतिषम्
(3) यजुर्वेदाङ्गज्योतिषम्
(4) अथर्वज्योतिषम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. ज्योतिषशास्त्रस्य वेदाङ्गत्वे कारणम् ?

(1) जातकस्य शुभाशुभत्वनिरूपणम्
(2) आयुचिन्तम्
(3) यज्ञार्थं शुभाशुभकालचिन्तम्
(4) रोगफलादेशः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. अधोलिखितेषु मुहूर्तग्रन्थस्य कर्त्ता कः ?

(1) गणेशदैवज्ञः (2) रामदैवज्ञः
(3) नीलकण्ठदैवज्ञः (4) कल्याणवर्मा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. ज्योतिषशास्त्रस्य प्रर्वत्तकाः सन्ति ?

(1) 15 (2) 18
(3) 20 (4) 24
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. इत्थशाल–इन्दुवार–योगः कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते ?

(1) सारवली (2) फलदीपिका
(3) ताजिकनीलकण्ठी (4) खेटकौतुकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. एषु मुहूर्तग्रन्थेषु प्राचीनतमोऽस्ति ?

(1) रत्नकोशः (2) रत्नमाला
(3) राजमार्तण्डः (4) ज्यतिर्विदाभरणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. सांवत्सरसूत्रानुसारं प्रायः शरीराकारानुवर्तिनो हि भवन्ति ?

(1) विद्यावैभवश्च (2) इष्टसिद्धयः
(3) गुणाः दोषाश्च (4) परोपकारिताः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. संहिता पदार्थेषु नास्ति ?

(1) ग्रहाणां चाराः (2) आत्मश्लाघा
(3) ग्रहभक्तयः (4) दीपलक्षणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. ज्योतिषशास्त्रज्ञाः के म्लेच्छाः ऋषिवत् पूज्यन्ते ?

(1) यवनाः (2) भीलाः
(3) रोमकाः (4) ग्रीकदेशीयाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. दैवज्ञानां समुचितः कालः संयोज्यः ।

A. वराहमिहिरः I. 1535 शकः
B. गणेश कविः II. 1479 शकः
C. नारायणः III. 427 शकः
D. नीलकण्ठदैवज्ञः IV. 1493 शकः

शुद्धमुत्तरं चिन्येतु –

	A	B	C	D
(1)	III	I	IV	II
(2)	I	III	II	IV
(3)	II	IV	I	III
(4)	IV	III	I	II

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. जातकं कथ्यते –

(1) यत्र गोचरमाधारीकृत्य फलादेशः क्रियते ।

(2) यत्र च प्रस्तारद्वारा शुभाशुभफलं कथ्यते ।

(3) यत्र जन्मकालग्रहनक्षत्रतिथिराश्यादीना-धारीकृत्य फलादेशः क्रियते ।

(4) यत्र च प्रश्नलग्नमाश्रित्य फलादेशः क्रियते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. तिथीनामीशाः समुचित क्रमेण संयोज्याः ।

A. प्रतिपदा I. कार्तिकेयः

B. द्वितीया II. अहिः

C. पंचमी III. ब्रह्मा

D. षष्ठी IV. अग्निः

शुद्धमुत्तरं चिन्येतु –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	III	IV	II	I
(3)	IV	III	II	I
(4)	II	I	III	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. भद्रासंज्ञकतिथीनां कस्य वारस्य संयोगेन सिद्धयोगो भवति ?

(1) बुधवारस्य (2) गुरुवारस्य

(3) शुक्रवारस्य (4) शनिवारस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. अधोलिखितेषु क्षिप्रसंज्ञकनक्षत्रं नास्ति ?

(1) हस्त (2) अश्विनी

(3) पुष्य (4) आर्द्रा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. होराशास्त्रं विभक्तमस्ति –

(1) पञ्चधा (2) त्रिधा

(3) चतुर्धा (4) अष्टधा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. सूर्यनक्षत्रात् चन्द्रनक्षत्रं यावत् गणनया का संख्या रवियोगकारका ?

(1) 9 (2) 18

(3) 11 (4) 15

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. सर्वार्थसिद्धियोग कारकवाराः नक्षत्राणि च संयोज्यानि –

A. रविवारः I. रेवती

B. सोमवारः II. अश्विनी

C. भौमवारः III. श्रवण

D. गुरुवारः IV. हस्त

शुद्धमुत्तरं देयम् –

	A	B	C	D
(1)	I	II	III	IV
(2)	III	II	IV	I
(3)	IV	III	II	I
(4)	II	III	I	IV

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. मकरराशिगते चन्द्रे भद्रा भवति ?

(1) स्वर्गे (2) मर्त्ये

(3) पाताले (4) समुद्रे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. मासे चरकरणस्य कति आवृतयः भवन्ति ?

(1) षड् (2) सप्त

(3) अष्ट (4) नव

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. 'शकुनि' इति करणस्य स्वभावः स्वामी च भवतः –

(1) स्थिरः कलियुगः (2) चरः पृथ्वी

(3) स्थिरः यमः (4) स्थिरः सर्पः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. अधोलिखितेषु शुक्लपक्षस्य कस्याः तिथेः पूर्वार्धे भद्रा भवति ?

(1) पूर्णिमायाः (2) तृतीयायाः

(3) दशम्याः (4) चतुर्थ्याः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK